CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education
Advanced Subsidiary Level and Advanced Level

HINDI **8675/04**
9687/04

Paper 4 Texts

October/November 2004

2 hours 30 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen on both sides of the paper.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.
Dictionaries are not permitted.
You may take unannotated texts into the examination.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose one from Section 1, one from Section 2 and one other.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
You should write between 500 and 600 words for each answer.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.
You are advised to divide your time equally between your answers.
At the end of the examination, fasten all your work securely together.

उत्तर लिखने के पहले इन निर्देशों को पढ़िएः

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी गयी है तो उसके मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण कीजिए।
अपना नाम, केन्द्र-संख्या और छात्र-संख्या अपनी हर उत्तर-पुस्तिका के हर पृष्ठ पर लिखिए।
लिखने के लिए केवल गहरे नीले या काले रंग की कलम का ही प्रयोग कीजिए और अपने उत्तर पृष्ठों के दोनो तरफ लिखिए।
स्टेप्लर, पेपर-क्लिप,हाईलाइटर, गोंद और करेक्शन फ्लुइड का प्रयोग न करें।
शब्द-कोष का प्रयोग निषेध है।
आप परीक्षा में पाठ्य-पुस्तकों का प्रयोग कर सकते हैं पर उसमें आपका कोई अपना आलेख नहीं होना चाहिए।
किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, हर प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य पुस्तकों से चुना जाना चाहिए. भाग 1 से एक प्रश्न, भाग 2 से एक प्रश्न करना अनिवार्य है। तीसरा प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है।
अपने उत्तर, दिए गए परीक्षा पत्रों पर **हिन्दी** में ही लिखिए।
आपके उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच में लिखे होने चाहिए।
हर प्रश्न के अन्त में कोष्ठक [ ] के अन्दर उस प्रश्न के अधिकतम अंक लिखे हुए हैं।
आपको परामर्श दिया जाता है कि आप हर उत्तर के लिए बराबर-बराबर समय दें।
यदि आप एक से अधिक पृष्ठों का प्रयोग करते हैं तो उन्हें धागे से एक साथ बाँध दें।

This document consists of **6** printed pages and **2** blank pages.

SP (SC/TL) S70902/3
© UCLES 2004
UNIVERSITY *of* CAMBRIDGE
International Examinations

[Turn over

www.xtremepapers.net

भाग 1

1 **तुलसी दास** - श्रीरामचरितमानस

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) नीचे लिखी चौपाइयाँ किस सन्दर्भ में लिखी गई हैं ?

(ii) भरत के चित्रकूट आगमन से राम क्यों चिन्तित हैं ?

(iii) 'बिषई जीव पाइ प्रभुताई ।मूढ़ मोह बस होंहि जनाई' यह विचार किसने, क्यों और किसके लिए व्यक्त किया है , समझा कर लिखिए।

चौपाई- बहुरि सोचबस भे सियरवनू । कारन कवन भरत आगवनू ।।
एक आइ अस कहा बहोरी । सेन संग चतुरंग न थोरी ।। १ ।।
सो सुनि रामहि भा अति सोचू । इत पितु बच इत बन्धु सकोचू ।।
भरत सुभाउ समुझि मन माहीं । प्रभु चित हित थिति पावत नाहीं ।। २ ।।
समाधान तब भा यह जाने । भरतु कहे महुँ साधु सयाने ।।
लखन लखेउ प्रभु हृदय खभारू । कहत समय सम नीति बिचारू ।। ३ ।।
बिनु पूछें कछु कहउँ गोसाईं । सेवकु समयँ न ढीठ ढिठाई ।।
तुम्ह सर्बग्य सिरोमनि स्वामी । आपनि समुझि कहउँ अनुगामी ।। ४ ।।

दोहा- नाथ सुहृद सुठि सरल चित सील सनेह निधान ।
सब पर प्रीति प्रतीति जियँ जानिय आपु समान ।। २२७।।

चौपाई- बिषई जीव पाइ प्रभुताई । मूढ़ मोह बस होंहि जनाई ।।
भरतु नीति रत साधु सुजाना । प्रभु पद प्रेमु सकल जगु जाना ।। १ ।।
तेऊ आजु राम पदु पाई । चले धरम मरजाद मेटाई ।।
कुटिल कुबन्धु कुअवसरु ताकी । जानि राम बनबास एकाकी ।। २ ।।
करि कुमंत्रु मन साजि समाजू । आए करै अकंटक राजू ।।
कोटि प्रकार कलपि कुटिलाई । आए दल बटोरि दोउ भाई ।। ३ ।।
जौं जियँ होति न कपट कुचाली । केहि सोहाति रथ बाजि गजाली ।।
भरतहिं दोसु देई को जाएँ । जग बौराइ राज पदु पाएँ ।। ४ ।।

दोहा- ससि गुर तिय गामी नघुषु चढ़ेउ भूमिसुर जान ।
लोक बेद तें बिमुख भा अधम न बेन समान ।। ५ ।।

- **अयोध्या काण्ड** (लक्ष्मण का क्रोध)

[25]

या

(ख)

राम के प्रति भरत और लक्ष्मण के भ्रातृ-प्रेम में जो अन्तर है उसकी विवेचना उदाहरणों की सहायता से कीजिए।

[25]

www.xtremepapers.net

2 सूरदास - सूरसागर

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) यह पद किस सन्दर्भ में लिखा गया है ?

(ii) इस पद की भाषा-शैली का वर्णन, उदाहरणों के साथ विस्तार पूर्वक कीजिए ।

मेरौ मन अनत कहाँ सुख पावै ।
जैसे उड़ि जहाज कौ पच्छी, फिरि जहाज पर आवै ।
कमल-नैन को छाँड़ि महातम, और देव कौं ध्यावै ॥
परम गंग कौं छाँड़ि पियासौ, दुरमति कूप खनावै ।
जिहिं मधुर अंबुज-रस चाख्यौ, क्यौं करील-फल भावे ।
सूरदास-प्रभु कामधेनु तजि चेरी कौन दुहावै ॥ ६८ ॥

'विनय के पद'

[25]

या

(ख) "सूर सूर तुलसी ससी" केशवदास जी के इस कथन का तात्पर्य समझाते हुए अपने विचार उदाहरणों के साथ लिखिए।

[25]

www.xtremepapers.net

3 **वाचस्पति पाठक** - प्रसाद, निराला, पन्त, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) निम्नलिखित पद्यांश का प्रसंग लिखिए ।
(ii) कविता में 'भू' को भीषण क्यों कहा गया है ?
(iii) 'कोमल मनुज कलेवर' का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?
(iv) 'मनुजोचित साधन !' से कवि का क्या तात्पर्य है । उदाहरण दे कर समझाइए ।
(v) कवि जग में किस प्रकार की मानवता की कल्पना करते हैं ?

वह्नि, बाढ़ उल्का, झंझा की भीषण भू पर
कैसे रह सकता है कोमल मनुज कलेवर ?
निष्ठुर है जड़ प्रकृति, सहज भंगुर जीवित जन,
मानव को चाहिए यहाँ, मनुजोचित साधन !
क्यों न एक हों मानव-मानव सभी परस्पर
मानवता निर्माण करें जग में लोकोत्तर ।
जीवन का प्रसाद उठे भू पर गौरवमय,
मानव का साम्राज्य बने, मानव हित निश्चय।

-दो लड़के-

[25]

या

(ख)

यथार्थवाद काव्य परम्परा पर प्रकाश डालते हुए बताइए कि सुमित्रानन्दन पन्त की दोनों कविताओं, 'ताज' और 'दो लड़के' ने इस परम्परा का निर्वाह किस हद तक किया है?

[25]

www.xtremepapers.net

4 मैथिलीशरण गुप्त - 'भारत भारती'

प्रश्न 'क' और 'ख' में से केवल एक प्रश्न का ही उत्तर दीजिए ।

(क)

(i) नीचे लिखे हुए पद्यांश का भावार्थ, पद्य में उल्लिखित कथाओं का विवरण देते हुए लिखिए ।

(ii) इस कविता की भाषा-शैली पर टिप्पणी लिखिए ।

आदर्श

आदर्श-जन संसार में इतने कहाँ पर हैं हुए ?
सत्कार्य्य-भूषण आर्य्य-गण जितने यहाँ पर हैं हुए।
हैं रह गये यद्यपि हमारे गीत आज रहे सहे ।
पर दूसरों के भी वचन साक्षी हमारे हो रहे ॥३०॥

लक्ष्मी नहीं सर्वस्व जावे, सत्य छोड़ेंगे नहीं ,
अन्धे बने पर सत्य से सम्बन्ध तोड़ेंगे नहीं ।
निज सुत-मरण स्वीकार है पर वचन की रक्षा रहे,
है कौन जो उन पूर्वजों के शील की सीमा कहे ॥३२॥

-अतीत खण्ड-

[25]

या

(ख)

भारत भारती में संकलित 'आदर्श' और 'स्त्रियाँ' (अतीत खण्ड) तथा 'उद्‌बोधन' (भविष्यत् खण्ड) कविताओं के माध्यम से मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय भावना का चित्रण कीजिए।

[25]

www.xtremepapers.net

भाग 2

5 प्रेमचन्द - 'निर्मला'

(क) 'निर्मला' में वर्णित सामाजिक समस्याओं ने निर्मला और मुन्शी तोताराम के चरित्रों को किस तरह प्रभावित किया इसकी विवेचना कीजिए ।

या

(ख) 'निर्मला' उपन्यास के दो मुख्य पुरुष पात्रों का तुलनात्मक चरित्र-चित्रण उदाहरणों के साथ कीजिए। [25]

6 जैनेन्द्र कुमार - '२३ हिन्दी कहानियाँ'

(क) राधा कृष्ण की कहानी 'लैला की शादी' में कथाकार ने किन सामाजिक समस्याओं पर प्रहार किया है? इसका उल्लेख करते हुए कहानी की कथा-शैली पर अपना मत प्रकट कीजिए ।

या

(ख) 'कफ़न'(प्रेमचन्द) और 'सच का सौदा' (सुदर्शन) कहानियों की तुलनात्मक विवेचना कीजिए। [25]

7 जयशंकर प्रसाद - 'ध्रुवस्वामिनी'

(क) 'ध्रुवस्वामिनी' के पुनर्विवाह को कहाँ तक उचित ठहराया गया है? नाटक के आधार पर सतर्क उत्तर लिखिए।

या

(ख) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक में किन मूल समस्याओं का चित्रण हुआ है? नाटककार ने उसका समाधान कैसे किया है? [25]

8 अभिमन्यु अनत - 'शब्द भंग'

(क) अभिमन्यु अनत ने 'शब्द भंग' उपन्यास के माध्यम से आधुनिक जीवन के विषय में क्या कहना चाहा है? उदाहरणों के साथ उत्तर लिखिए।

या

(ख) 'शब्द भंग' उपन्यास के तीन मूल तत्वों -वातावरण, पात्र और समस्याओं पर प्रकाश डालिए। [25]

© UCLES 2004

www.xtremepapers.net

BLANK PAGE

© UCLES 2004

www.xtremepapers.net

University of Cambridge International Examinations is part of the University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES) which is itself a department of the University of Cambridge.

© UCLES 2004

www.xtremepapers.net